https://www.uoronline.com

This question paper contains 8 printed pages. Roll No. ....

B.A. (Pt. I) **Gen. Hindi**

1001-A

B.A. (Part-I) Examination, 2020

(For Non-Collegiate Candidates)

(Faculty of Arts)

(Three year scheme of 10+2+3 Pattern)

GENERAL HINDI

(सामान्य हिन्दी)

Time Allowed : Three Hours **Maximum Marks : 100**

समय : 3.00 घंटे **अधिकतम अंक : 100**

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न-पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखें। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु निर्धारित अंक उसके सामने अंकित हैं।

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

1. निम्नलिखित गद्या वरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) मेरे और भाई साहब के बीच अब केवल एक दरजे का अन्तर और रह गया। मेरे मन में एक कुटिल भावना उदय हुई कि कहीं भाई साहब एक साल और फेल हो जायँ तो मैं उनके बराबर हो जाऊँ, फिर वह किस आधार पर मेरी फजीहत कर सकेंगे, लेकिन मैंने इस कमीने विचार को दिल से बल पूर्वक निकाल डाला। आखिर वह मुझे इस वक्त अप्रिय लगता है अवश्य, मगर यह शायद उनके उपदेशों का ही असर हो कि दनादन पास होता जाता हूँ और इतने अच्छे नम्बरों से। 5

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

अथवा

लेकिन पचासी घडियाँ गुजरते ही मानों किसी दुःस्वप्न का अभिशाप आँख खुलते ही मिट गया हो। सिकन्दर को पहली चेतना तो यह हुई कि वह मरते-मरते बच गया। यूनानी हकीमों के भरोसे तो कुछ उम्मीद रखना ही बेकार था। सम्राट ने वैद्य की ओर कृतज्ञता भरी आँखों से देखा और वैद्य ने वात्सल्य भाव से अपने रोगी को निहारा। मौन की वाणी क्षण भर में ही बहुत कुछ व्यक्त कर जाती है जो थूक सनी जिह्वा से सम्भव नहीं। 5

(ख) फिर कुछ दिनों बाद पाया, वह अब कुछ सकुचा रही है। मेरे निकट आने के पहले वह इधर-उधर देखती और जब कुछ बातें करती, तो ऐसी चौंकन्नी-सी कि कोई देख न ले, सुन न ले। एक दिन जब वह इसी तरह बातें कर रही थी, कि मेरी भौजी ने कहा- देखियो री रजिया, बबुआजी को फुसला नहीं लीजियों। वह उनकी ओर देखकर हँस तो पड़ी, किन्तु मैंने पाया, उसके दोनों गाल लाल हो गयें हैं और उन नीली आँखों के कोने मुझे सजल से लगे। मैंने ध्यान दिया, जब हम लोग कहीं मिलते हैं बहुत-सी आँखें हम पर भालों की नोंक ताने रहती हैं। 5

अथवा

कुछ देर बाद हम लोग जीपों पर सवार हो आगे बढ़ गए। किसानों ने हमें जाते देख राहत की साँस ली। जीप में काफी हरा चना ढेर पड़ा था। मैं खाने लगा। वे लोग भी खाने लगे। एकाएक मुझे लगा कि जीप पर तीन इल्लियाँ सवार हैं, जो खेतों की ओर चली जा रही हैं। तीन बड़ी-बड़ी इल्लियाँ सिर्फ तीन ही नहीं, ऐसी हजारों इल्लियाँ हैं; लाखों इल्लियाँ हैं। ये सिर्फ चना ही नहीं खा रहीं, सब कुछ खाती हैं और निःशंक जीपों पर सवार चली जा रही हैं। 5

2. निम्नलिखित पद्या वरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) गुरु गोविंद तौ एक है, दूजा यहु आकार।

आपा मेर जीवत मरै, तो पावै करतार।।

निहचल निधि मिलाइ तत, सतगुर साहस धीर।

निपजी मैं साँझी धणाँ। बाँटै नहीं कबीर।। 5

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

अथवा

बसो मोरे नैनन में नंदलाल।

मोहनी मूरति, सांवरि सूरति, नैना बने विसाल।

अधर सुधारस मुरली राजति, उर वैजंती माल।

छुद्र-घंटिका कटि-तट सोभित, नूपुर सबद रसाल।

मीरा प्रभु संतन सुखदायी भगत बछल गोपाल।। 5

(ख) कुछ क्षण का वह उदय-अस्त।

केवल एक प्रज्वलित क्षण की

हश्य सोख लेने वाली दोपहरी।

फिर?

छायाएँ मानव जन की

नहीं मिटीं लम्बी हो-होकर:

मानव ही सब भाप हो गये।

छायाएँ तो अभी लिखी हैं

झुलसे हुए पत्थरों पर

उजड़ी सड़कों की गच पर। 5

अथवा

समर शेष है, इस स्वराज्य को सत्य बनाना होगा।

जिसका है यह न्यास, उसे सत्वर पहुँचना होगा।।

https://www.uoronline.com
https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

धारा के मग में अनेक पर्वत जो खड़े हुए हैं;

गंगा का पथ रोक, इन्द्र के गज जो अड़े हुए हैं;

कह दो उनसे, झुके अगर तो जग में यश पायेंगे,

अड़े रहे तो ऐरावत पत्तों-से बह जायेंगे। 5

3. (क) 'सिकन्दर और कौआ' कहानी का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए। 7½

अथवा

'जीप पर सवार इल्लियाँ' शरद जोशी के व्यंग्य विधा में आज के संदर्भ में क्या प्रासंगिकता है? 7½

(ख) 'बडे भाई सहाब' कहानी से आप को क्या प्रेरणा मिलती है? 7½

अथवा

रजिया रेखाचित्र का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 7½

4. (क) सूरदास की भक्ति भावना पर अपने शब्दों में निबन्ध लिखिए। 7½

अथवा

'मनुष्यता' कविता की मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए। 7½

(ख) कबीर की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 7½

अथवा

'वह तोड़ती पत्थर' कविता का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए। 7½

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

5. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर निबंध लिखिए:

(क) (i) 21 वीं सदी का भारत।

(ii) आतंकवाद: विश्व में एक चुनौती।

(iii) पर्यावरण: कारण व निवारण।

(iv) समाज में महिलाओं की भूमिका। 8

(ख) (i) अपने क्षेत्र के अभियंता को परीक्षा के दौरान बार-बार विद्युत जाने के बाबत पत्र लिखिए। 4

अथवा

प्राचार्य को पत्र लिखिए की महाविद्यालय में अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण को शुद्ध कैसे रखा जाए? 4

(ii) प्राध्यापक पद हेतु आवेदन-पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए। 4

अथवा

विवाह के अवसर पर जिला पूर्ति अधिकारी को कैसे आवेदन किया जाए। 4

(ग) प्रस्तुत अवतरण का संक्षेपण कीजिए तथा शीर्षक बताइए-

धन के लोभ में मानव भावों को पूर्ण रूप से अपने अधीन कर लिया है। कुलीनता और शराफत, गुण और कमाल की कसौटी, पैसा और केवल पैसा है। जिसके पास पैसा है। वह देवता स्वरुप है, उसका अन्त: करण कितना ही काला क्यों न हो। साहित्य, संगीत और कला सभी धन की देहली पर माथा टेकने वालों में हैं। यह हवा इतनी जहरीली हो गई है कि इसमें जीवित रहना कठिन होता जा रहा है। डाक्टर और हकीम है कि बिना लम्बी फीस लिए बात नहीं करते। वकील और बैरिस्टर है कि मिनटों को अशर्फियों से तोलते हैं। गुण और योग्यता की

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

सफलता उसके आर्थिक मूल्य के हिसाब से मानी जा रही है। मौलवी साहब और पण्डित जी भी पैसों वालों के गुलाम हैं। अखबार उन्हीं का राग अलापते हैं। इस पैसे ने आदमी के दिल-दिमाग पर इतना कब्जा जमा कर दिया है कि उसके राज्य पर किसी ओर से भी आक्रमण करना कठिन दिखाई देता है। वह दया और स्नेह, सच्चाई और सौजन्य का पुतला मनुष्य दया नम्रता शून्य और जड़-यन्त्र बनकर रह गये हैं। 5

अथवा

आज विश्व में पाश्चात्य सभ्यता एवं ज्ञान-विज्ञान का बोलबाला है? भौतिक सुख-सुविधाओं तथा सम्पन्नता के पीछे पूरी मानवता अन्धी होकर दौड़ रही है, मानव मूल्यों मानवीय गुणों की ओर किसी का ध्यान नहीं है। ऐसे समय में ऐसे साहित्य-सृजन की आवश्यकता है जो पारस्परिक कटुता, वैमनस्य का निवारण करने में समक्ष हों। मानवता के आधार भूत तत्त्व दया, क्षमा, करूणा, त्याग, सहानुभूति आदि को इस प्रकार परास्त किया जाय कि उन पर पुनः आस्था उत्पन्न हो सके। आज हमारे देश को भौतिक सुख-सुविधाओं, वैज्ञानिक शक्ति क्षमताओं की अपेक्षा मानवीय मूल्यों और गुणों की अधिक आवश्यकता है। यदि हमारे देश के साहित्यकार इन मूल्यों के प्रति आस्था उत्पन्न करने में सफल हो सकें तो निःसन्देह इर्ष्या, द्वेष, घृणा, विग्रह आदि दोष स्वयं हो तिरोहित हो जायेगें, विश्व की शान्ति समस्या का इससे बढ़कर कोई समाधान नहीं है। 5

(घ) निम्नलिखित में से किसी एक का पल्लवन कीजिए :

(i) पड़ोस सभ्यता की पहली पाठशाला है।

(ii) असम्भव शब्द मूर्खों के शब्द-कोश में पाया जाता है।

(iii) नारी तुम केवल श्रद्धा हो।

(iv) भाषा विचारों का लिबास है। 4

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

(ङ) संधि और समास में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

प्रत्यय और उपसर्ग में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 5

(च) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिए :

(i)	मानवीयकरण	(ii)	पूज्यनीय
(iii)	मूर्छा	(iv)	वीयापार
(v)	जिजमान	(vi)	श्वसुर
(vii)	उपलक्षय	(viii)	अनुदित
(ix)	अनुयाई	(x)	रचैता

(छ) निम्नलिखित मुहावरे और लोकाक्तियों में से किन्हीं दो का अर्थ बताते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(i) जुबान पर लगाम न होना।

(ii) कान का कच्चा होना।

(iii) हथेली पर सरसों नहीं जमती।

(iv) खग जाने खग ही की भाषा। 5

(ज) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के किन्हीं पारिभाषिक रूप लिखिए –

(i)	ADULT	(ii)	COST
(iii)	FUND	(iv)	MOTION

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com
https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

(v) REFUND (vi) STAMP

(vii) TREAT (iv) VACANCY

(ix) WARRANT (x) X-RAY 5

(झ) क्रिया की परिभाषा देते हुए बताइए कि क्रिया कितने प्रकार की होती है। 5

अथवा

शब्द और वर्ण में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 5

https://www.uoronline.com

https://www.uoronline.com

****

https://www.uoronline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.uoronline.com